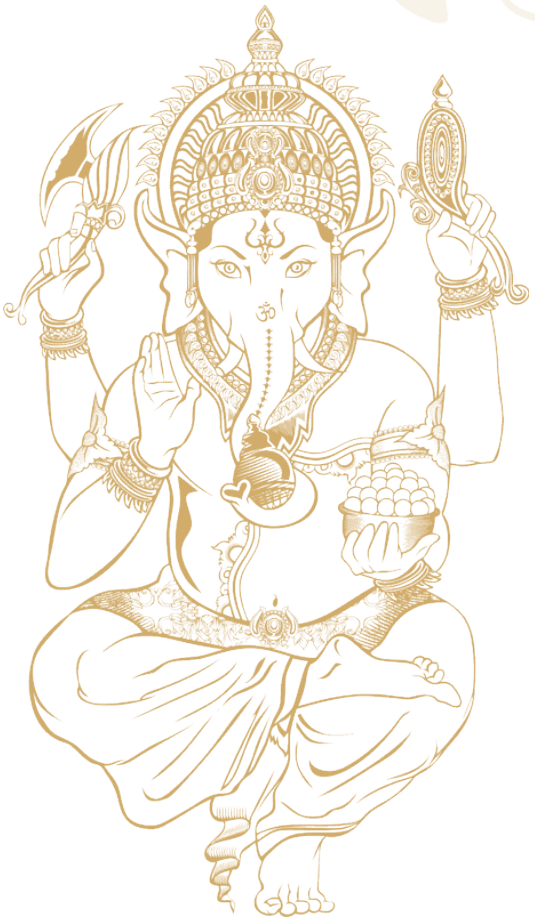

Pooja Jain

23 Apr 1997

09:03 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121576604

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/04/1997**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:03:00 घंटे**
इष्ट	07:45:15 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:33:56 घंटे
वेलान्तर	00:01:40 घंटे
साम्पातिक काल	22:38:49 घंटे
सूर्योदय	05:56:54 घंटे
सूर्यास्त	18:58:24 घंटे
दिनमान	13:01:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:12:30 मेष
लग्न के अंश	29:36:26 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:36:26	341:44:10	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मेष	09:12:30	00:58:28	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			तुला	12:35:59	12:38:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल	व		सिंह	23:03:19	00:03:32	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	मेष	12:56:08	00:37:17	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			मक	24:41:32	00:08:07	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र		अ	मेष	14:31:00	01:14:06	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			मीन	19:18:18	00:07:14	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
राहु	व		कन्या	04:36:24	00:04:32	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	04:36:24	00:04:32	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:41:18	00:01:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	06:07:02	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:14:18	00:01:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:13:26	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:08

लग्न-चलित

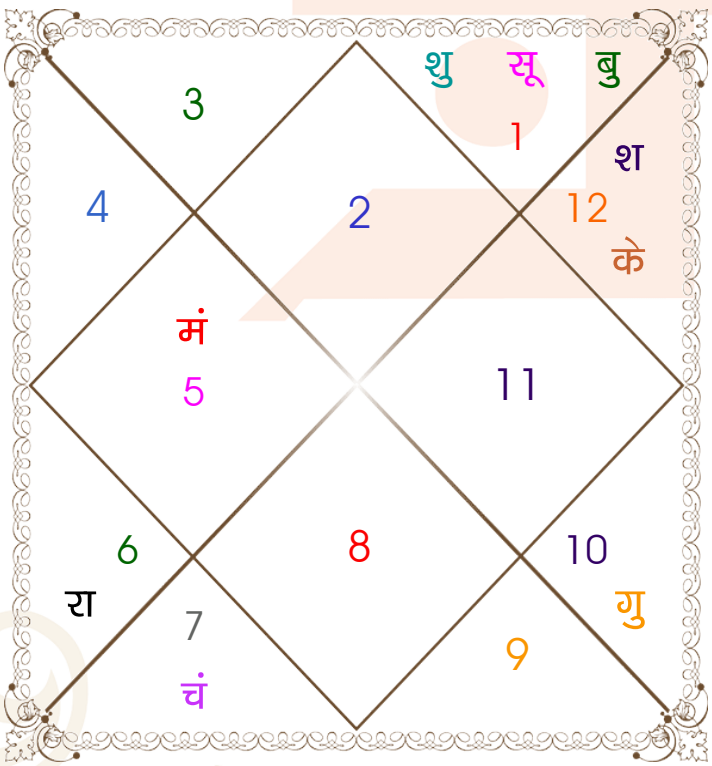

चन्द्र कुंडली

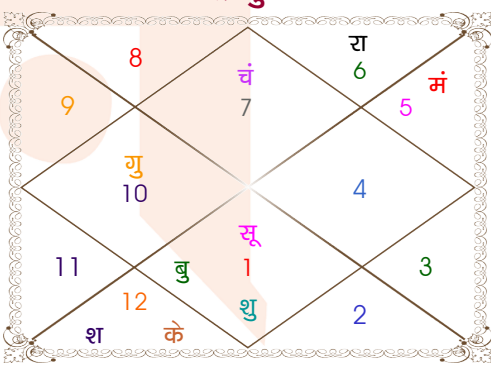

नवमांश कुंडली

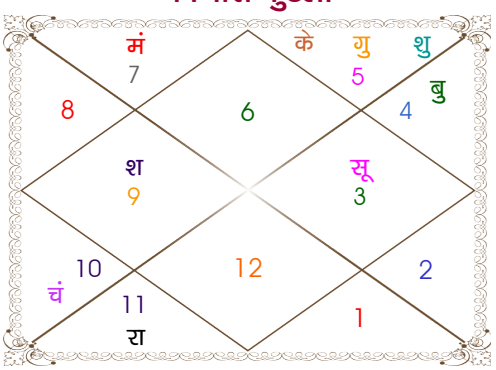

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 11 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/04/1997		20/04/2007		20/04/2023		20/04/2042		20/04/2059	
20/04/2007		20/04/2023		20/04/2042		20/04/2059		20/04/2066	
	00/00/0000	गुरु	07/06/2009	शनि	23/04/2026	बुध	15/09/2044	केतु	16/09/2059
	00/00/0000	शनि	19/12/2011	बुध	31/12/2028	केतु	13/09/2045	शुक्र	15/11/2060
	23/04/1997	बुध	26/03/2014	केतु	09/02/2030	शुक्र	13/07/2048	सूर्य	23/03/2061
बुध	20/10/1999	केतु	02/03/2015	शुक्र	10/04/2033	सूर्य	20/05/2049	चंद्र	22/10/2061
केतु	06/11/2000	शुक्र	31/10/2017	सूर्य	23/03/2034	चंद्र	19/10/2050	मंगल	20/03/2062
शुक्र	07/11/2003	सूर्य	19/08/2018	चंद्र	23/10/2035	मंगल	16/10/2051	राहु	08/04/2063
सूर्य	01/10/2004	चंद्र	19/12/2019	मंगल	30/11/2036	राहु	05/05/2054	गुरु	14/03/2064
चंद्र	01/04/2006	मंगल	24/11/2020	राहु	07/10/2039	गुरु	10/08/2056	शनि	22/04/2065
मंगल	20/04/2007	राहु	20/04/2023	गुरु	20/04/2042	शनि	20/04/2059	बुध	20/04/2066

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/04/2066		20/04/2086		19/04/2092		21/04/2102		20/04/2109	
20/04/2086		19/04/2092		21/04/2102		20/04/2109		00/00/0000	
शुक्र	19/08/2069	सूर्य	07/08/2086	चंद्र	18/02/2093	मंगल	17/09/2102	राहु	02/01/2112
सूर्य	19/08/2070	चंद्र	06/02/2087	मंगल	19/09/2093	राहु	05/10/2103	गुरु	27/05/2114
चंद्र	19/04/2072	मंगल	14/06/2087	राहु	20/03/2095	गुरु	10/09/2104	शनि	02/04/2117
मंगल	19/06/2073	राहु	07/05/2088	गुरु	19/07/2096	शनि	20/10/2105	बुध	24/04/2117
राहु	19/06/2076	गुरु	24/02/2089	शनि	18/02/2098	बुध	17/10/2106		00/00/0000
गुरु	18/02/2079	शनि	06/02/2090	बुध	20/07/2099	केतु	15/03/2107		00/00/0000
शनि	20/04/2082	बुध	13/12/2090	केतु	18/02/2100	शुक्र	15/05/2108		00/00/0000
बुध	18/02/2085	केतु	20/04/2091	शुक्र	20/10/2101	सूर्य	19/09/2108		00/00/0000
केतु	20/04/2086	शुक्र	19/04/2092	सूर्य	21/04/2102	चंद्र	20/04/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 11 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतीं बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुई तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।